11

ISSN 0975-119X

UGC-CARE GROUP I LISTED

वर्ष 12 अंक 1 जनवरी-फरवरी 2020

दृष्टिकोण

कला, मानविकी एवं वाणिज्य की मानक शोध पत्रिका

India's Leading Refereed Hindi Language Journal

Seth R.C.S. Arts & Commerce College DURG Chhattisgarh

Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm. College
DURG (C.G.)

दृष्टिकोण

स्नातक स्तर के ग्रामीण एवं शहरी अध्यापकों के व्यावसायिक प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन–रवि; डॉ० नरेन्द्र कुमार सिंह 559
माध्यमिक स्तर पर क्षेत्र के आधार पर शिक्षकों की शिक्षण अभिक्षमता का अध्ययन–शारदा प्रसाद सिंह; डॉ० नरेन्द्र कुमार सिंह 563
उत्तर भारत की जनजातियों में जल, जंगल एवं जमीन की समस्यायें एवं समाधान–अवन्तिका 567
आंचलिक उपन्यास: स्वरूप और उपकरण–डॉ० चिम्मन 571
अकादमिक पुस्तकालय सेवाएँ एवं ई०-संसाधन अनुप्रयोग: उत्तर प्रदेश के संदर्भ में एक अध्ययन–कुँवर संजय भारती; प्रतिमा शर्मा 574
भारतीय पत्रकारिता पर औपनिवेशिक संस्कृति का प्रभाव–मुन्ना लाल पाल 578
डॉ० जयप्रकाश कर्दम की कहानियों में नारी जीवन–श्रीमती पंकज यादव 581
वृद्ध कल्याण: चुनौतियां एवं समाधान–डॉ० शैलेन्द्र सिंह 584
दलित जीवन को उजागर करती आत्मकथा झोंपड़ी से राजभवन–डॉ० ज्योति गौतम 588
भारत की आर्थिक समीक्षा में मानव विकास का अध्ययन–इन्दु आसेरी 592
मध्यकालीन समाज में स्त्री और मीराबाई–डॉ० दीप कुमार सितल 595
अवध में महिला प्राथमिक शिक्षा की स्थिति–गणेश कुमार 599
महिला समर्थित अधिनियम एवं उच्च शिक्षा की महिला अध्येताओं की संचेतना–वन्दना शर्मा; प्रो० वन्दना गोस्वामी; डॉ० अजय सुराणा 604
साठोत्तरी हिन्दी कविता की प्रकृति–डॉ० श्रीनिवास सिंह यादव 608
भारत में महिलाओं की स्थिति और विकास का एक अध्ययन–डॉ० अनिल झा 613
आधुनिक भारतीय राजनीति में वंशवाद–दीपक कुमार राय 616
शहरी एवं ग्रामीण विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के सामाजिक मूल्यों का अध्ययन–डॉ० बृजेश कुमार पाण्डेय 619
चन्द्रकिरण सौनरेक्सा के कहानी संग्रह 'आधा कमरा' की समीक्षा: एक दृष्टि–विनोद कुमार सिंह 623
प्रणव ध्यान: योगोपनिषदों के आलोक में–नम्रता चौहान; डॉ० शाम गणपत तिखे 626
पंचकोशीय स्वप्रबन्धन: एक यौगिक दृष्टि–अखिलेश कुमार विश्वकर्मा; डॉ० शाम गणपत तिखे; डॉ० उपेन्द्र बाबू खत्री 631
वेदांत दर्शन में ध्यान का स्वरूप–धनंजय कुमार जैन; डॉ० उपेन्द बाबू खत्री 636
भारत में पर्यावरण और जलवायु से जुड़े खतरे–डॉ० राजेन्द्र प्रसाद 640
संस्कृत भाषा की उत्पत्ति एवं प्रवृत्ति एवं पाणिनि का योगदान–डॉ० योगिता मकवाना 642
शहरीकरण के प्रभाव और प्रबंधन–रामावतार आर्य 645
सामाजिक मानव मूल्यों के परिप्रेक्ष्य में आज की हिन्दी कविता–प्रद्योत कुमार सिंह 648
छत्तीसगढ़ में पंचायती राज व्यवस्था-समस्या और समाधान–डॉ० आयशा अहमद 653
पंचायती राज व्यवस्था व महिला नेतृत्व–डॉ० राम नरेश टण्डन 656
वर्तमान में नक्सलवाद: समस्या एवं समाधान–डॉ० भूपेन्द्र कुमार 659
ग्राम स्वराज एवं ग्रामीण विकास पर महात्मा गांधी जी के विचारों की प्रासंगिकता–डॉ० विजय कुमार साहू 663
आयुर्वेद के अनुसार रज:स्रावाकाल में आहार: एक अध्ययन–नेहा सैनी; डॉ० तिखे शाम गणपत 666
पूर्व मध्यकालीन भारतीय समाज और गोरखनाथ–डॉ० सर्वेश चन्द्र शुक्ल 670
पंचायती राज व्यवस्था एवं महिला सशक्तिकरण की अवधारणा–डॉ० प्रमोद यादव; आलोक नाथ सिंह 672
"छत्तीसगढ़ में प्रशासनिक एवं राजनीतिक व्यवस्था के संबंधों का एक व्यवहारिक अध्ययन" (राज्य मंत्रालय के विशेष संदर्भ में)
–डॉ० (श्रीमती) अलका मेश्राम; डॉ० डी० एन० सूर्यवंशी; दीपा 677
औद्योगिकीकरण का ग्रामीण समुदाय पर प्रभाव–डॉ० जवाहर लाल तिवारी; दिनेश कुमार 681
रायपुर जिले के विकास में नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण की भूमिका का एक राजनैतिक विश्लेषण
–डॉ० (श्रीमती) रीता मजूमदार; डॉ० प्रमोद यादव; फैसल कुरैशी 686
ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में जिला प्रशासन की भूमिका–डॉ० प्रमोद यादव; कमल नारायण 690
महिला आरक्षण से महिला सशक्तिकरण पर पड़ने वाले प्रभाव का एक राजनीतिक विश्लेषण
(रायपुर जिले के ग्राम पंचायतों के विशेष संदर्भ में)–डॉ० डी० एन० सूर्यवंशी; स्वर्णप्रभा धृतलहरे 694
आर्थिक एवं सामाजिक विकास में आने वाली समस्याओं के कारण एवं निवारण में जिला प्रशासन की भूमिका
–डॉ० (श्रीमती) अलका मेश्राम; डॉ० डी० एन० सूर्यवंशी; रामकृष्ण साहू 698

Seth R.C.S. Arts & Commerce College DURG Chhattisgarh

Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm. College
Durg (C.G.)

रायपुर जिले के विकास में नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण की भूमिका का एक राजनैतिक विश्लेषण

डॉ० (श्रीमती) रीना मजूमदार

(निर्देशक) प्राचार्य, शासकीय नवीन महाविद्यालय खुर्सीपार, भिलाई (छ.ग.)

डॉ० प्रमोद यादव

(सह-निर्देशक) सहायक प्राध्यापक, एस.आर.सी.एस. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, दुर्ग (छग.)

फैसल कुरैशी

शोधार्थी, एस.आर.सी.एस. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, दुर्ग (छग.)

प्रस्तावना

भारत एक कृषि प्रधान राष्ट्र होने के कारण यहाँ का विकास कृषि उत्पादन एवं ग्रामीण जनता के विकास एवं उन्नति पर निर्भर करता है। भारत सरकार का बजट भी भारत के किसानों की रबी और खरीब की दोनों फसलों का आकलन करके तैयार किया जाता है। 1 नवम्बर 2000 को जब भारत में 3 नये राज्यों की स्थापना हुई उसमें छत्तीसगढ़ 26वें राज्य के रूप में अस्तित्व में आया, तब से लेकर आज तक इस प्रदेश ने विकास को लेकर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के समग्र विकास के लिए अनेक राजनैतिक पहल की गई, परिणाम स्वरूप मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह द्वारा नये रायपुर की अवधारणा को साकार रूप देकर केन्द्र व राज्य सरकार की अनेक योजनाओं को संचालित किया जाने लगा। इसी कड़ी में नये रायपुर में एन.आर.डी. ए. के माध्यम से नये रायपुर के भाग को विकसित करने के लिए विशेष प्रयास प्रारंभ किये गये जिसका उत्तरदायित्व नया रायपुर विकास प्राधिकरण को दिया गया जिससे नये रायपुर में राष्ट्र स्तर पर एक नई पहचान कायम की। आज भारत में शहरीकरण का तेजी से बढ़ता हुआ विस्तार इस बात का संकेत है कि अब भारत के विकास में गांव व शहर दोनों की भूमिका समान होते जा रही है और दोनों का विकास एक दूसरे पर निर्भर होता जा रहा है। एक के बिना दूसरा अधूरा है इसीलिए हमारे देश में महानगरों की संस्कृति का प्रभाव अब ग्रामीण स्तर पर पहुँच रहा है इससे नगरीय संस्कृति, सभ्यता व विकासने ग्रामीण आबादी को शहर की ओर तेजी के साथ आकर्षित किया है। छत्तीसगढ़ जैसे पिछड़े, अविकसित एवं आदिवासी बाहुल्य राज्य के रूप में स्थापित प्रदेश में भी प्रत्येक शहर में आस-पास के गांव की आबादी स्थायी रूप से निवास करने लगी है। अतः शहर का व्यवस्थित योजनाबद्ध विकास गांव के विकास के लिए एक जीवन रेखा का कार्य कर रहा है। वर्तमान में शहरों की आबादी और शहरों की बढ़ती संख्या से इस तथ्य की पुष्टि होती है वर्ष 2011 की जनगणना में भारत की आबादी करीब 121 करोड़ पहुंची है जिसमें महानगरों की आबादी भी करोड़ों के आंकड़े छू रही है। शहरीकरण की तीव्र प्रक्रिया को देखते हुए यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि भविष्य में इस संख्या में और बढ़ोतरी होगी। शहरों की बढ़ती जनसंख्या के साथ ही शहरी प्रबंधन की ओर तेजी से उन्मुख होना पड़ेगा क्योंकि आज भी हम शहरों का प्रबंधन समुचित ढंग से नहीं कर पा रहे है।

शहरीकरण ही भविष्य है। विश्व के आर्थिक विकास का इतिहास दर्शाता है कि शहरों का विकास न केवल स्वाभाविक है बल्कि अपरिहार्य भी है और यही आवश्यक है। शहरीकरण स्थल का बेहतर दोहन कर और उत्पादक शक्तियों को एक स्थान पर इकट्ठा कर कुछ ऐसी दक्षता पैदा करता है जो विकास प्रक्रिया को सुगम बनाता है। परन्तु शहरों को यदि उत्पादक उद्यमों का केन्द्र रचनात्मक का गढ़ और साक्षी प्रचुरता की पहचान बनाना है तो उसके लिए नवीन योजनाएं बनानी होंगी।

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के उपरांत राजधानी शहर के विकास के लिए नवा रायपुर को नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम के अंतर्गत विशेष क्षेत्र के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया एवं इस हेतु नया रायपुर डेव्हल्पमेंट अथॉरिटी का गठन 2006 में किया गया।

Seth R.C.S. Arts & Commerce College DURG Chhattisgarh

Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm. College
DURG (C.G.)

11

नया रायपुर रायपुर से 20 कि.मी. की दूरी पर स्थित है इसका विकास 40 सेक्टरों में किया जा रहा है । जिसमें 20 सेक्टर आवासीय है। यह दो राष्ट्रीय राजमार्गो समेत चारों ओर से सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है वहीं रेल और हवाई मार्ग से सम्पर्क, इसको देश-विदेश से सीधे सम्पर्क में लाता है नया रायपुर डेव्हलपमेंट अथॉरिटी के गठन से शहर के व्यवस्थित विकास का क्रम शुरू हुआ और आज नई ऊँचाई की ओर अग्रसर है।

वर्तमान में नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण की अध्यक्ष श्री आर.पी.मंडल तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ अय्याज फकीर भाई तंबोली(आई.ए.एस)है। नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण पिछले एक दशक से एक साथ कई योजनाओं में काम कर रहा है। प्राधिकरण की कई ऐसी योजनाएं है जो राजधानी रायपुर के स्वरुप को बदल रही है। पिछले कुछ वर्षो से नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण, रायपुर शहर विकास को दिशा में देश की सबसे बड़ी नगर विकास योजनाओं में से एक कमल विहार पर पर काम कर रहा है। लंबे समय तक टलते जाने के बाद अब नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण में राजभवन, मुख्यमंत्री निवास और मंत्रियों के बंगलों के निर्माण किया जाना है। लोक निर्माण विभाग ने पुणे की एक कंपनी को निर्माण का काम सौंपा था। लोक निर्माण विभाग की योजना के मुताबिक नया राजभवन 12 एकड़ के क्षेत्रफल में बनना है। इसके निर्माण पर 90 करोड़ रुपए की लागत प्रस्तावित है। वहीं मुख्यमंत्री निवास के लिए 8 एकड़ जमीन का प्रस्ताव है। इसके निर्माण पर 60 करोड़ रुपए की लागत आनी है। इस परियोजना के तहत सेक्टर 24 में मंत्रियों के बंगले और सेक्टर 18 में अधिकारियों के बंगलों को मिलाकर 164 भवन बनाए जाने हैं। इस पूरी परियोजना की लागत 505 करोड़ रुपए होगी। परंतु वर्तमान समय में जहां देश और प्रदेश में एक भयावह प्राकृतिक आपदा कोविड-19 के चलते शासन ने समस्त प्रकार के निर्माण कार्य पर रोक लगा दी है।

वहीं केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत नये रायपुर का चयन किया जाना राजधानी और रायपुर जिले के विकास में एक मील का पत्थर साबित होगा।

मूल शब्द - नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण की भूमिका

शोध क्षेत्र का संक्षिप्त परिचय

रायपुर जिला अविभाजित मध्यप्रदेश के दक्षिण पूर्व में स्थित था परन्तु 1 नवम्बर 2000 में पृथक छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के उपरात रायपुर जिला नवगठित राज्य के हृदयस्थल को सुशोभित करता है। रायपुर जिला छत्तीसगढ़ के उपजाऊ भाग में स्थित है। यह 23033' उत्तर में 21014' उत्तरी अक्षांश और 82062' से 61038' पूर्वी देशांतर के मध्य स्थित है। प्राचीन रायपुर जिले से दुर्ग जिले का निर्माण हुआ जिससे राजनांदगांव जिला बनाया गया। रायपुर जिला और उसके समीपस्थ क्षेत्र धान का कटोरा कहलाता है। रायपुर जिले की सीमा बिलासपुर, दुर्ग, रायगढ़, बस्तर व उड़ीसा प्रांत को छूती है। समुद्र तल से इसकी ऊँचाई 600 मी. है। जनवरी 2012 में रायपुर जिले के बलौदाबाजार, व गरियाबंद नामक 2 जिले बनाये गये है।

शोध विषय का राजनीतिक महत्व

रायपुर जिले के विकास में की भूमिका का एक राजनैतिक विश्लेषण के अंतर्गत राज्य निर्माण के बाद राज्य शासन के द्वारा छत्तीसगढ़ की राजधानी में प्रदेश स्तर पर मंत्रालय, सचिवालय, संचालनालय, विधानसभा, उच्च न्यायालय, लोक सेवा आयोग, महालेखा परीक्षक जैसे महत्वपूर्ण कार्यालय की स्थापना सबसे बड़ी चुनौती थी जिसे राज्य शासन ने उच्च न्यायालय राज्य के दूसरे सबसे बड़े नगर बिलासपुर में स्थापित किये जाने का निर्णय लिया परन्तु अधिकाश सभी प्रमुख कार्यालय राज्य की राजधानी रायपुर में ही स्थापित किये। प्रारंभिक समय में मंत्रालय व संचालनालय, डी.के. भवन रायपुर में प्रारंभ किये गये थे। परन्तु राज्य स्तर के उत्कृष्ठ व महत्वपूर्ण कार्यो के निष्पादन हेतु उच्च स्तर के कार्यालय की स्थापना का निर्णय अंततः राज्य सरकार द्वारा लिया गया और इसके लिए नया रायपुर का निर्माण आवश्यक हो गया जिस प्रकार अविभाजित मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में वल्लभ भवन, सतपुड़ा एवं विध्यांचल राज्य स्तर के बड़े कार्यालय है उसी प्रकार छत्तीसगढ़ में राजनैतिक प्रतिबद्धता एवं कुशल नेतृत्व के कारण नया रायपुर में महानदी एवं इंद्रावती भवन के रूप मे राष्ट्रीय स्तर के कार्यालयों की स्थापना ने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर को भारत के अन्य राज्यों से अलग एक विशिष्ट स्थान प्रदान किया है। यह उल्लेखनीय है कि 1 नवम्बर 2000 को तीन नये राज्यों का निर्माण हुआ था जिसमें एक मात्र छत्तीसगढ़ राज्य में ही नया रायपुर के नाम से अपनी अलग राजधानी व कार्यालय का निर्माण किया । इसके लिए एन.आर.डी.ए. की स्थापना एक महत्वपूर्ण कदम है इसके लिए राजनैतिक दृढ़ इच्छाशक्ति महत्वपूर्ण है। जिसका अध्ययन किया जाना है । संविधान के 74वें संशोधन में यह स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि जिस प्रकार पंचायत के माध्यम से गांवों का विकास विकसित होना उसी प्रकार नगर पालिका व निगर निगम के माध्यम से स्थानीय जनता की इच्छा अनुरूप स्थानीय विकास को विकसित करने का प्रयास किया जाता है इसी क्रम में शहरी विकास के लिए छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा नया रायपुर डेव्हलपमेंट अथॉरिटी गठन किया गया है जिसके द्वारा राजधानी को राज्य में स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है।

भारत सरकार द्वारा 2015 में शहरी क्षेत्रों के विकास को लेकर कई तरह की योजना अपनायी जा रही है उनमें शहरी निकायों के साथ निजी क्षेत्रों की भागीदारी का मॉडल सर्वाधिक उपयुक्त हो सकता है। इससे एक तरह शहरी विकास की गतिविधियों का निर्धारण क्रियान्वयन, पर्यवेक्षण आदि कर सकेगी। वहीं इससे अच्छे त्वरित लाभ मिलने की संभावना है। शहरी विकास के लिए आवश्यकता इस बात की भी है कि स्थानीय सरकार नई योजनाओं पर जोर दे। वर्तमान में केन्द्र सरकार ने 100 नए स्मार्ट सिटी की घोषणा की है। जिसका आने वाले दिनों में बेहतर परिणाम देखने को मिलेगा ।

पूर्व में किये गये शोध अध्ययनों का पुनरावलोकन

शोध अध्ययन श्रायपुर जिले के विकास में नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण की भूमिका का एक राजनैतिक विश्लेषण श् से संबंधित है ऐसे में उन संदर्भित अध्ययनो की समीक्षा की गई है जो अध्ययन को दृष्टि से महत्वपूर्ण एवं प्रासंगिक है वे निम्नानुसार है:-

Seth R.C.S Arts & Commerce College DURG Chhattisgarh
Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm.
College Durg (C.G.)

दृष्टिकोण

- वर्मा पालक राम (2009) ने अपने अध्ययन ग्रामीण विकास और अशासकीय संगठन एक राजनीतिक विश्लेषण में स्पष्ट किया कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए गैर सरकारी संगठन क्रियाशील हैं। सरकारी प्रयास और ग्रामीण विकास संभव हो सका है।
- ध्रुव अनन्त राम (2008) ने अपने अध्ययन ग्राम पंचायतों में जनजातीय नेतृत्व एवं विकास में स्पष्ट किया कि नेतृत्व समाज को दिशा प्रदान करता है। समाज कल्याण एवं लोक कल्याण के लिए लक्ष्य निर्धारित करता है समाज के मूलतः नेतृत्व विकास की संरचना का प्राण तत्व है।
- सुषमा वर्मन (2008) ने अपने अध्ययन दुर्ग जिले में प्रशासन एवं राजनीति में स्पष्ट किया है कि प्रशासन एवं राजनीति की भागीदारी ने जिले के आर्थिक व राजनीतिक विकास को नई दिशा तय की है। गांवों में रोजगारोन्मुखी ग्रामीण अंचलों के निर्धन बेरोजगार और जरूरत मंदों को निशुल्क प्रशिक्षण कराने की योजना पर कार्य कर रहा।
- बीना वर्मा (2005) ने अपने अध्ययन ग्रामीण विकास पर पंचायती राज व्यवस्था के प्रभाव का विश्लेषण में स्पष्ट किया कि पंचायती राज व्यवस्था के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का तेजी से विकास होने लगा है। जिससे ग्राम प्रगति के पथ पर अग्रसर हैं। ग्रामों के विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है।
- सिंह इन्द्रजीत (2002) ने अपने लेख एडमिनिस्ट्रेटिव इंस्टीट्यूशन इन इंडिया में स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन इन पर प्रत्यक्ष और उनके कार्य क्षेत्र में राज्य सरकार अधिशासी आज्ञा द्वारा कोई भी परिवर्तन कर सकती है जो राज्य के विकास के लिए आवश्यक हो।

शोध का उद्देश्य

शोध विषय के अध्ययन के लिए निम्नानुसार प्रमुख उद्देश्य निर्धारित किया गया है। जिन्हें आधार मानकर अध्ययन किया गया।

1. शहरी विकास पर दलीय राजनीति के प्रभाव का अध्ययन किया गया।
2. रायपुर जिले के विकास की समस्या को हल करने में नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के योगदान का अध्ययन किया गया।

अध्ययन की परिकल्पना

किसी भी शोध कार्य प्रारंभ करने के पूर्व शोधकर्ता को समस्या के संबंध में कार्य कारण संबंध प्रतिमान के आधार पर पूर्व चिन्तन कर लेना होता है। इस प्रकार उपकल्पना एवं तीक्ष्ण अनुमान हैं। जिसका प्रतिपादन अस्थायी, स्वीकरण, अवलोकित तथ्यों अथवा दशाओं की व्याख्या करने तथा शोध कार्य को आगे बढ़ाने के लिए किया जाता है। किसी भी शोध में हम उपकल्पना के बिना एक कदम भी आगे नही बढ़ सकते हैं। शोध परिकल्पना एक कार्यकारी आधार होता है जो कि शोधार्थी को एक दिशा प्रदान करता है। शोध उपकल्पना को एक ऐसी कल्पना कहा जाता है। जिसका परीक्षण शोध कार्य के दौरान किया जाता है। मेरे द्वारा चयनित इस शोध विषय में मेरी पूर्व कल्पना निम्न है।

1. नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण की कार्यप्रणाली से समूचे जिले में विकास को नयी दिशा मिली है।
2. नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण की स्थापना से विकास एवं प्रबंधन नियोजन के क्षेत्र में वृद्धि हो रही है।

अध्ययन पद्धति

शोध की विधितंत्र को निम्नांकित भागों में विभक्त किया गया है।

1. अध्ययन क्षेत्र का चुनाव - नये रायपुर के विकास की दृष्टि से रायपुर जिला को अध्ययन क्षेत्र के रूप में लिया गया है । जहां विकास कार्यों में नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण की कार्य प्रणाली व भूमिका का अध्ययन किया गया है।
2. अध्ययनगत इकाई - प्रस्तावित अध्ययन में अध्ययनगत इकाई के रूप में रायपुर जिले के शहरी विकास में किये गये कार्य का अध्ययन किया गया है।
3. उत्तरदाताओं का चुनाव - प्रस्तुत अध्ययन हेतु अध्ययन क्षेत्र रायपुर के जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन के अधिकारी, नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के अधिकारी व अध्ययन क्षेत्र के नागरिकों का उत्तरदाता के रूप में चुनाव बहुस्तरीय निदेशन के द्वारा अध्ययन किया गया है। जिसके अंतर्गत कुल150 उत्तरदाताओं का चुनाव दैवनिदर्शन के द्वारा अध्ययन किया गया है।
4. तथ्य संकलन पध्दति, प्रविधि एवं उपकरण-प्रस्तावित शोधकार्य हेतु तथ्यों का संकलन दो प्रकार से किया गया है-

   1. प्राथमिक स्त्रोत 2. द्वितीयक स्त्रोत

1. प्राथमिक स्त्रोत- इसके अंतर्गत निम्नलिखित आधार पर शोध सामग्री हेतु अध्ययन व विश्लेषण किया गया है।

   अ. प्रश्नावली/साक्षात्कार ब. अवलोकन स. सैम्पलिंग द. सर्वेक्षण

2. द्वितीयक स्त्रोत:- इसके अंतर्गत अध्ययन क्षेत्र में जिला प्रशासन व शासन के नीति व विकास कार्यों से संबंधित विभिन्न शोध एवं पत्र-पत्रिकाएं, समाचार पत्रों में समय-समय पर प्रकाशित तथ्य एवं इंटरनेट द्वारा प्राप्त सामग्री शामिल किया गया है।

तथ्यों का संकलन

उत्तरदाताओं की प्रकृति के आधार पर जिला प्रशासन व विकास से संबंधित साक्षात्कार चयनित उत्तरदाताओं से अध्ययन किया गया है। साथ ही शोध कार्य के दौरान अध्ययन क्षेत्र के लोगों से समूह वार्ता व अवलोकन तकनीक के द्वारा भी तथ्यों का संकलन कर अध्ययन किया गया है। जिसमें कुल 150 उत्तरदाताओं से उद्देश्य पूर्ण निदर्शन द्वारा साक्षात्कार व प्रश्नावली के माध्यम से अभिमत प्राप्त करके उत्तरदाताओं के द्वारा विश्लेषण अध्ययन किया गया है।

Seth R.C.S. Arts & Commerce College
DURG
Chhattisgarh

Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm.
College Durg

निष्कर्ष

नवा रायपुर शहर के स्वभाविक विकास की संभावनाओं का पता लगाकर उसे आधुनिक शहरी बसाहट से समंकित किया जाय तो भविष्य के नगरों का बेहतर ढांचा तैयार किया जा सकता है। छत्तीसगढ़ के अधिकांश शहरों में प्रभावी शहरी आयोजन का अभाव नजर आता है। छत्तीसगढ़ राज्य में भाजपा सरकार ने आदर्श शहर के रूप में प्रदेश की राजधानी रायपुर को विकसित और आधुनिक सुविधाओं से युक्त शहर बनाने का संकल्प लिया और नया रायपुर विकास प्राधिकरण की स्थापना की। छ.ग. के विकास के नये मापदंड स्थापित करने में सफलता प्राप्त की। रायपुर एक औद्योगिक, प्रशासनिक क्षेत्र होने के कारण यहां कि अधिकांश जनसंख्या शिक्षित और और जागरूक है। इसलिए इस क्षेत्र में विकास की संभावना छिपी हुई है। स्थानीय विधायक जो वर्तमान मंत्रिमंडल में मंत्री है । नगर के विकास में प्रारंभ से ही प्रयासरत है। जिसके फलस्वरूप नये रायपुर को विकास की संकल्पना पूर्ण हो सकी ।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. कोठारी शांतिलाल एंड रामाश्रय, राय-रिलेशन्स विटवीन पॉलिटीशियन्स एड एडमिनिस्ट्रेस एट दि डिस्ट्रिक्ट लेवल, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, 1996, पृ. 52, नई दिल्ली
2. जैन कर्नैया - दि चेंजिंग रोल ऑफ दि कलेक्टर इन मध्यप्रदेश एम.डी.पी.ए. डिजर्टेशन,, आई आई.पी. 1998, पृ. 82, नई दिल्ली
3. खेरा, एस.एस.-डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन, इन इंडिया, नेचनल 1999, पृ. 101, नई दिल्ली
4. डॉ. ए,पी. अवस्थी "विकास प्रशासन" लक्ष्मी नारायण अग्रवाल प्रकाशन, 2000 पृष्ठ क्रमांक 1-33, आगरा
5. जी.आर.मदन "विकास का समाजशास्त्र" विवेक प्रकाशन, जवाहर नगर, 2000 पृष्ठ क्रमांक 6, दिल्ली
6. जोहरी ज.सी. "तुलनात्मक राजनीति और विकास" सांहित पब्लिकेशन 1996 पृष्ठ क्रमांक 58, नई दिल्ली
7. प्रीता जोशी: विकास प्रशासन, आर.बी.एस.ए. पब्लिशर्स, 1996, पृ. 37-38, जयपुर

Seth R.C.S. Arts & Commerce DURG Chhattisgarh

Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm.
College Durg (C.G.)